सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में स्वतंत्रता दिवस समारोह का भव्य आयोजन

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में राष्ट्र का 68वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। संस्थान के मुख्य लॉन में आयोजित समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर, संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों व अन्य सहकर्मियों के साथ सीरी विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण व विद्यार्थी तथा पिलानी के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ध्वजारोहण करते हुए डॉ चंद्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर द्वारा राष्ट्र ध्वज फहराने के साथ हुआ। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित जनसमूह ने सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा बैंड पर बजाई गई सुंदर धुन पर राष्ट्र गान गाया।

ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्र गान का दृश्य

'गार्ड ऑफ ऑनर' लेते हुए डॉ चंद्रशेखर,
निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य अिधकारियों, सीरी विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य ने डॉ चंद्रशेखर का समारोह स्थल पर पहुँचने पर स्वागत किया। इसके बाद उन्हें परंपरानुसार 'गॉर्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

स्वतंत्रता दिवस उद्बोधन देते हुए
डॉ चंद्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

अपने स्वतंत्रता दिवस उद्बोधन में संस्थान के **निदेशक डॉ चंद्रशेखर** ने उपस्थित जनसमुदाय तथा देशवासियों को इस पावन दिन की बधाई देते हुए देश के अमर शहीदों के बलिदान को याद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह देश हम सब का है और हमें इसकी प्रगति व विकास में अपना यथासंभव योगदान देते हुए हिस्सेदार बनना होगा। उन्होंने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं कि हमारा यह महान देश प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए विश्व के अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा होगा। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की नवीन उपलब्धियों की भी चर्चा की तथा इनके लिए अपने सभी वैज्ञानिकों व

तकनीकी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस अवसर पर देश में महिलाओं के विरुद्ध हो रही हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस समाज में नारियों का सम्मान नहीं होता वह समाज किसी भी कीमत पर आधुनिक कहलाने योग्य नहीं है।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं को अनुशासन का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। मिलजुल कर, आपसी ताल-मेल से, एक-दूसरे का सहयोग करते हुए निजी हितों के स्थान पर व्यापक हित में काम करना अनुशासन का ही रूप है। उन्होंने विद्यार्थियों की सुंदर प्रस्तुतियों के लिए सभी छात्र-छात्राओं व उनके शिक्षकों व प्रधानाचार्य की प्रशंसा की। इस अवसर पर उन्होंने "मैं" के स्थान पर "हम" की अवधारणा पर चिंतन करने तथा सभी से इस पर अमल करने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने एक बार फिर सीरी परिवार, सीरी विद्या मंदिर परिवार तथा संस्थान के प्रांगण में उपस्थित सभी नागरिकों को 68वें स्वाधीनता दिवस की बधाई और शुभकामना दी।

कार्यक्रम के दौरान रंगारंग प्रस्तुति देते हुए
सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थी

इससे पूर्व संस्थान के प्रांगण में आयोजित समारोह में सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने भव्य झांकियों, समूह नृत्य, विभिन्न योग मुद्राओं, डंबल, पीटी व मार्शल आर्ट और परेड व बैंड आदि प्रस्तुतियों का जीवंत प्रदर्शन किया। उपस्थित जनसमुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्द्धन किया। परेड व अन्य प्रस्तुतियों के लिए मंच संचालन विद्यालय की छात्राओं ने किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों व एनसीसी दल ने मार्च पास्ट (परेड) प्रस्तुत किया। अंत में बैंड दल ने सुंदर बैंड प्रस्तुति दी। परेड तथा बैंड की सलामी संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर ने ली।

परेड की सलामी लेते हुए निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

समारोह के अंत में निदेशक महोदय ने रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े तथा विद्यालय के बच्चों को टाफियाँ बाँटी। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों को मिष्टान्न वितरण किया गया।

14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर निदेशक महोदय के नेतृत्व में **संध्या फेरी** का भी आयोजन किया गया जिसमें संस्थान सहकर्मियों, प्रशिक्षार्थी छात्रों व कॉलोनी वासियों ने कॉलोनी परिसर में पदयात्रा करते हुए देश भक्ति गीत गाए।

इस प्रकार संस्थान में राष्ट्र का स्वाधीनता दिवस समारोह संपन्न हुआ।